2023 / 1 / 14

पूर्व परीक्षा - २०२३

A

X

हिंदी (संयुक्त) B

समय : 2 घंटे पृष्ठ -6 पूर्णांक: 40

सूचना : १) सूचना के अनुसार गद्य,पद्य,तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

३) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

४) शुद्ध,स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

(विभाग - १ - गद्य)

प्र.१ अ) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) आकृतिबंध पूर्ण कीजिए। ०२

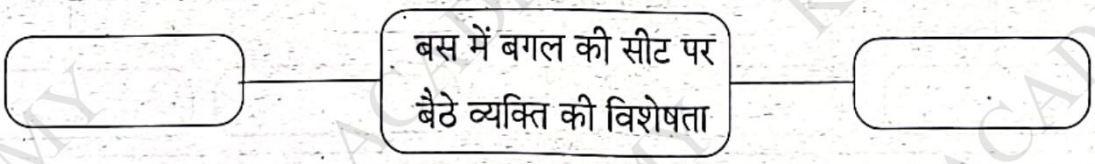

[ ] — बस में बगल की सीट पर बैठे व्यक्ति की विशेषता — [ ]

कभी -कभी मेरी दृष्टि नदी किनारे के सौंदर्य को निहारना चाहती है। इसी बीच जैसे आँख में कंकरी गिर जाए, ऐसे रास्ते में पहाड़ी के आ जाने से सारा दृश्य चौपट हो जाता है।

कभी - कभी मेरा उन उच्चाकाश में उड़ने वाले पक्षियों के साथ अनंत के ओर-छोर नापना चाहता है। इसी बीच रेल किसी गुफा में प्रवेश कर जाती है, और अब लाचार मन को भी,मन मारकर सुरंग की उस पतली लकीर में से निकलने को बाध्य होना पड़ता है।

वैसे मुझे बस की यात्रा कतई पसंद नहीं। उसमें यह भी जरूरी नहीं कि बगल में बैठने वाला आदमी हमारा मनपसंद ही हो। अनेक बार तो ऐसे व्यक्ति से पाला पड़ता है जो रूठी हुई पत्नी की तरह लाख मनाने पर भी सीधे मुँह बात नहीं करता और अगर उससे प्रश्नों के जरिये छेड़खाना की जाए तो हाँ-हूँ में जवाब देकर खिड़की से बाहर मुँह लटका लेता है। कभी -कभी ऐसा भी साथी मिल जाता है कि आप चाहे सुनें या न सुनें, वह अपनी बात तब तक सुनाता रहेगा,जब तक दो में से एक उतर न जाए।

मुझे सुपरफास्ट ट्रेन के बजाय एक्सप्रेस से यात्रा करना ज्यादा पसंद है। कारण सुपरफास्ट ट्रेन का स्वभाव उस विशिष्ट व्यक्ति की तरह होता है जो रास्ते में मिलने वाले बराबरीवालों की उपेक्षा कर, बड़ों से मिलने दौड़ा जाता है।

प्र.१ अ) २) दिए गए शब्दों से कृदंत शब्द बनाइए। ०१

अ) दौड़ना ब) मिलना

३) निम्नलिखित पर्यायवाची शब्द परिच्छेद में से ढूँढकर लिखिए। ०१

अ) मजबूर ब) असीम

४) रेल-सफर और प्राकृतिक दृश्यों का आनंद इस विषय पर अपने विचार २५-३० शब्दों में लिखिए। ०२

प्र.१ आ) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ०२

१) संजाल पूर्ण कीजिए।

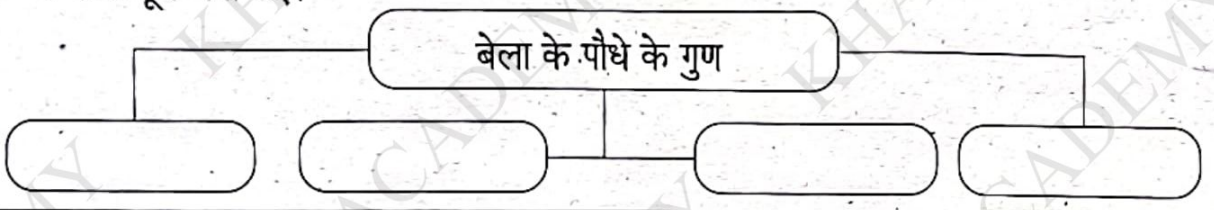

सुबह मिले, इसमें अपनी प्यारी भूमिका निभाते हो। आभारी हूँ दोस्त!

देखा ,कुछ दूर पर सहिजन झूम रहा था। जैसे बुला रहा है। 'आता हूँ भाई!कहो कैसे हो? तुम तो सदाबहार हो भाई!और पेड़ तो वसंत में फूलते हैं,तुम तो बारहों मास सुगंध भरे फूलों से लदे रहते हो और उन फूलों पर मधुमक्खियाँ व भौंरे गुनगुनाया करते हैं। जाड़ों में जब मैं तुम्हारे पास धूप में बैंठता हूँ,तब तुम्हारी मतवाली सुरभि से नहाता रहता हूँ।, भीतर कविता गुनगुनाती है, बाहर तुम्हारे फूल और बारहों मास तुम फलियों से लदे होते हो। वे फलियाँ मेरे घर से लेकर पड़ोस तक अपना स्वाद बाँटती रहती हैं।'

"आप ऊँचे लोगों को ही देखते रहेंगे ?हम छोटे हैं तो क्या,हम भी तो हैं?"देखो,बेला के फूल मुझे उलाहना दे रहे हैं और उनकी पंक्ति में कई-कई गमलों में तरह -तरह के फूल और पौधे विराजमान हैं। वे सभी मेरी ओर देख रहे हैं और जैसे संवाद को आतुर हैं। मैंने कहा, "नहीं मेरे प्यारे फूलो, मैं तो स्वयं छोटा आदमी हूँ और छोटे लोगों के बीच ही जीवन यात्रा की है। उन्हें भरपूर प्यार दिया है और पाया है। तुम लोग तो मेरे परिवार के सदस्य हो। तुम्हारी आँखों में आँखे डालकर तुमसे हार्दिक संवाद करता रहता हूँ।"तीन गमलों में बेला के पौधे विराजमान हैं। वे सफेद -सफेद फूलों से जगमगा रहे हैं। फूलों से मादक सुगंध की हलकी -हलकी धारा बह रही है और मेरी साँसों में समा रही है। बेला इसी मौसम में फूलता है। एक साथ न जाने कितने फूल उसके भीतर से फूट पड़ते हैं।

लेकिन क्या विडंबना है कि शाम होते - होते फूल मुरझा जाते हैं।रात को फिर दूसरे फूल खिलते हैं। इसलिए जब मैं सुबह -सुबह इनको नेत्रों में भर लेता हूँ। देर तक इनके पास खड़ा होता कि एक मुक्तक मेरे भीतर रेंगने लगता है-

" गुंचे, तेरी जिंदगी पर दिल हिलता,
बस एक तबस्सुम के लिए खिलता है।

प्र.१ आ) २) परिच्छेद में प्रयुक्त पर्यायवाची शब्द चुनकर लिखिए। ०१

अ) मुस्कान ब) शिकायत

३) निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए। ०१

अ) आतुर ब) सुगंध

४) 'संतुष्ट होना मनुष्य का स्वभाव नहीं है'विषयपर अपने विचार २५ से ३० शब्दों में लिखिए। ०२

विभाग - २ पद्य

प्र.२ अ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) आकृतिबंध पूर्ण कीजिए। ०१

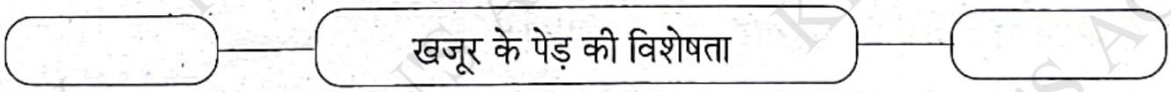

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं,फल लागें अति दूर।।

सिष को ऐसा चाहिए, गुरु को सब कुछ देय।
गुरु को ऐसा चाहिए,सिष से कुछ नहिं लेय।।

कबिरा संगत साधु की, ज्यो गंधी की बास।
जो कुछ गंधी दे नहीं, तौ भी बास सुबास।।

दुर्बल को न सताइए, जाकी मोटी हाय।
बिना जीव की स्वाँस से, लोह भसम ह्वै जाय।।

गुरू कुम्हार सिष कुंभ है, गढ़ -गढ़ काढ़ै खोट।
अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट।।

२) ऐसा चाहिए
- शिष्य - ०१
- गुरु - .....

३) पद्यांश की अंतिम दो पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए। ०२

प्र.२ आ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

सबका समान रवि है, शशि है, सबका समान है मुक्त पवन; सारे मानव यदि मानव हैं; सबके समान हों भूमि - गगन कब नवयुग ऐसी नव संस्कृति, नव विश्व व्यवस्था लाएगा? ऐसा वसंत कब आएगा?	सबको दे भोजन, वसन, भवन जिससे जीवन में रस छाए, खिल जाएँ अधर, हँस दें आँखें, ऐसा वसंत जग में आए! ऐसा वसंत तो ग्रीष्म - शिशिर में भी वसंत कहलाएगा! ऐसा वसंत कब आएगा?

१) संजाल पूर्ण कीजिए। ०२

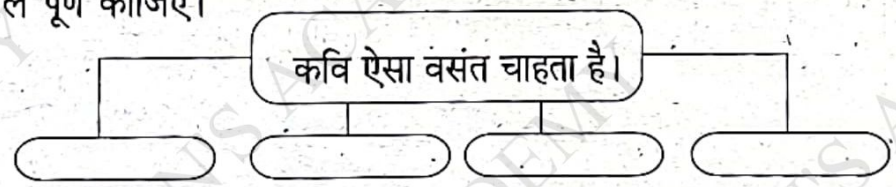

२) पद्यांश की अंतिम सात पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए। ०२

विभाग - ३ - व्याकरण

प्र.३ निम्नलिखित सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) मानव वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए। ०१

अ) युवावस्ता, युवावस्था,युवावश्या,यूवावस्था ब) वेशभूषा, वेषभूषा ,वेशभुषा,बेषभूषा

२) निम्नलिखित किसी एक अव्यय का सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए। ०१

अ) इसलिए ब) धीरे -धीरे

३) कृति पूर्ण कीजिए। (सिर्फ एक) ०१

संधिशब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
अनासक्त	.....	.....
अथवा		
.....	परम + आनंद	.....

४) अधोरेखित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए। ०१

(डेरा लगाना , अंक में भरना , सिहर उठना)

बाहर एक बहुत पहुँचे हुए महात्मा आकर निवास के लिए जम गए।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए।

१) जमीन निगल जाना । २) उल्लू बनाना।

५) i) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक का सुचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। ०२

अ) वह पुराना गीत गाता है। (अपूर्ण भूतकाल)

ब) पानी अब निर्मल नही रहेगा। (सामान्य वर्तमानकाल)

ii) निम्नलिखित वाक्य का काल पहचानिए

लेखक के सिर में दर्द हो रहा था।

६) i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए। ०१

गाँव के बच्चे खेल रहे थे।

ii) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधारपर दी गई सुचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए। ०१

मुझे अपना शिष्य बना लें। (प्रश्नवाचक वाक्य)

विभाग -४ - उपयोजित लेखन

प्र.४ अ) निम्नलिखित सुचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए।

१) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र -लेखन कीजिए। ०४

आर्यन / आर्या पटेल, वर्तक नगर, सोलापूर से अपने मित्र / सहेली गीतेश / गीता चव्हाण, सुभाष नगर नांदेड को जन्मदिन की बधाई देने हेतू पत्र लिखता /लिखती है।

अथवा

नंदेश / नंदा पाटील,३० लाल नगर, औरंगाबाद से यात्रा के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए व्यवस्थापक - ट्रैवल्स कंपनी,पुणे को पत्र लिखता /लिखती है।

२) **निम्नलिखित मुद्दों के आधारपर ६०-७० शब्दों में कहानी लिखकर उचित शीर्षक तथा सिख लिखिए।** ०४

किसी क्षेत्र में अकाल -----दयालु जमींद्दार -----लोगों को रोटियाँ बाँटना -----जान -बुझकर एक छोटी रोटी बनवाना -----किसी का छोटी रोटी न लेना -----बालिका का छोटी रोटी लेना -----घर जाकर तोड़ना -----रोटी में सोने के सिक्के पाना -----मॉ - बाप का लौटाने जाना -----जमींदार का इनाम -----सीख।

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐस चार प्रश्न तैयार कीजिए,जिनके उत्तर गदयांश में एक -एक वाक्य में हो।

दान देने की परिपाटी प्राचीन काल से चली आ रही है। अन्नदान, गौदान, वस्त्रदान, सुवर्णदान, भूमिदान करना भारतीय अपना परम धर्म मानते हैं। धर्म से स्वर्ग की प्राप्ति होती है, ऐसा माना जाता है। प्राचीन काल में विद्यादान को सर्वश्रेष्ठ दान माना जाता था। वर्तमानकाल में कुछ नए प्रकार के दान प्रचलित हुए हैं - नेत्रदान, रक्तदान, किडनीदान। रक्त तो हर व्यक्ति के लिए जरुरी है। पचास वर्ष तक के निरोगी स्त्री -पुरुष रक्तदान कर सकते हैं। दुर्घटनाओं से परिपूर्ण वैज्ञानिक युग में रक्तदान, सर्वश्रेष्ठ दान माना जाता है। नेत्रदान करने से घबराना नहीं चाहिए, क्योंकि मरणोपरान्त ही आँखे निकालकर अंधों को दी जाती हैं और वे देखने लगते हैं। बीमार के प्राण बचाने के लिए हम अपनी एक किडनी का दान दे सकतें हैं।

प्र.४आ) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ६० से ७० शब्दों में निबंध लिखिए। ०४

१) अनुशासन का महत्व

२) मैं पेड बोल रहा हूँ

oooooooooooooo